शत-प्रतशित जन्म एवं मृत्यु नबिंधन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अभयिान का शुभारंभ एवं 'झारखंड ए स्टैटस्टिकिल प्रोफाइल 2022' का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

14 जुलाई 2023 को झारखंड के वत्तिमंत्री डॉ.रामेश्वर उराँव ने प्रोजेक्ट भवन, राँची में जन्म-मृत्यु नबिंधन के शत-प्रतशित लक्ष्य को प्राप्त करने एवं नबिंधन से संबंधति व्यापक जन-जागरूकता पैदा करने के तहत वशिष अभयिान का शुभारंभ कयिा तथा अर्थ एवं सांख्यकिी नदिशालय, झारखंड के द्वारा नर्मिति 'झारखंड ए स्टैटस्टिकिल प्रोफाईल 2022' का वमिोचन कयिा।

प्रमुख बदिु

- यह अभयिान 14 जुलाई, 2023 से 14 अगस्त, 2023 तक चलेगा।
- इस वशिष जागरूकता अभयिान के दौरान राज्य के सभी 4962 जन्म-मृत्यु नबिंधन इकाइयों में पोस्टर, बैनर आदि लगाकर जन जागरूकता अभयिान चलाया जा रहा है, ताकि शत-प्रतशित नबिंधन के लक्ष्य को प्राप्त कयिा जा सके।
- इस कार्य में सभी घोषति सूचकों यथा आंगनबाड़ी सेवकि, सहयिा तथा स्कूलों के प्रधानाध्यापक को जन्म सूचना प्रपत्र -1 एवं मृत्यु सूचना प्रपत्र -2 भरकर संबंधति नबिंधक (जन्म-मृत्यु) को उपलब्ध कराने की जम्मिवारी सौंपी गई है।
- सूचकों से प्राप्त सूचना प्रपत्र की जाँच कर सभी आवश्यक प्रक्रयिाओं को पूरा कर नबिंधक जन्म एवं मृत्यु का नबिंधन करना सुनश्चिति करेंगे, तत्पश्चात संबंधति व्यक्तिको जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध करायेंगे।
- अभयिान का प्रचार-प्रसार चलति वाहनों के द्वारा भी कयिा जाएगा।
- सभी महत्त्वपूर्ण स्थलों पर बैनर, पोस्टर के अतरिक्ति डजिटिल स्क्रीन पर जन्म-मृत्यु नबिंधन से संबंधति सूचना एवं जानकारी प्रसारति की जाएगी।
- **ORGI, New Delhi** के नर्दिेश के आलोक में जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतशित नबिंधन कराना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।
- उल्लेखनीय है कि इस तरह का वशिष अभयिान राज्य में पहली बार आयोजति कयिा जा रहा है, ताकि सभी आम जन जन्म- मृत्यु नबिंधन के महत्त्व एवं उससे प्राप्त होने वाले लाभ से अवगत हो सकें।
- जन्म-मृत्यु नबिंधन कराना बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसके नहीं होने से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसे लोग हैं, जनिकी जन्म तथि अंदाज पर उनके स्कूल आदि में दर्ज हो गया। वही उनका जन्म प्रमाण-पत्र हो गया। इससे उनके 60 वर्ष पूर्ण होने से पहले ही उन्हें स्कूल जन्म प्रमाण-पत्र के आधार पर रटिायरमेंट मलि गया।
- वहीं कई जगह ऐसे भी उदाहरण मलि जाते हैं कि छोटे एवं बड़े भाई बहन दोनों का जन्म का दविस एक ही है। सरकार द्वारा इन सभी तरह की समस्याओं के नरिाकरण हेतु इस अभयिान को चलाया जा रहा है।
- जन्म के साथ-साथ मृत्यु का भी नबिंधन कराना बहुत महत्वपूर्ण है। यह पूर्वजों की संपत्ति प्राप्त करने, कोर्ट कचहरी के मामले में महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ के रूप में काम आता है। साथ ही मृत्यु प्रमाण-पत्र का बैंक एवं एलआईसी की पॉलसिी में भी महती भूमकि है। एक महीने तक चलने वाले इस अभयिान का मुख्य लक्ष्य यही है कि लोगों को जागरूक कयिा जाए, ताकि इसके लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।
- शक्षिा वभिाग के सचवि के रवकुिमार ने बताया कि सभी स्कूलों में बच्चों के जन्म का नबिंधन इस अभयिान के माध्यम से होगा। राज्य में हर साल करीब 6 लाख छोटे बच्चों का नामांकन होता है। सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक को इस संबंध में नर्दिेशति कयिा गया है।
- चुनाव आयोग भी 31 जुलाई से मतदाता पुनरीक्षण अभयिान चला रहा है। ऐसे में जन्म एवं मृत्यु नबिंधन अभयिान से आयोग भी समन्वय स्थापति कर मतदाता सूची अपग्रेड कर सकेगा।
- यूनसिफ की राज्य प्रमुख कनीनकिा मत्रि ने बताया कि जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अनवािर्य है। इसके लयि 1969 में कानून बनाया गया था। जन्म का पंजीकरण हर बच्चे का अधकिार है। यह एक कानूनी दस्तावेज़ होता है। पूरे राज्य में इस अभयिान से लोगों को लाभ होगा और सरकार के पास राज्य की जनसंख्या के बारे में एक पुख्ता जानकारी उपलब्ध रहेगी।
- इस अवसर पर माननीय वत्तिमंत्री रामेश्वर उरांव ने अर्थ एवं सांख्यकिी नदिशालय, झारखंड के द्वारा नर्मिति 'झारखंड ए स्टैटस्टिकिल प्रोफाईल 2022' का वमिोचन कयिा।
    - इस पुस्तक के वषिय में जानकारी देते हुए नदिशक सह अपर मुख्य रजस्ट्रिार (जन्म - मृत्यु) राजीव रंजन ने बताया कि इस पुस्तक में वत्तिीय वर्ष 2020-2021 एवं 2021-2022 के आंकड़ों को शामलि कयिा गया है।
    - इस पुस्तक में अर्थ एवं सांख्यकिी नदिशालय द्वारा कृषि सांख्यकिी, जीवनांक, राज्य की आय, कृषि श्रमकिों की दैनकि मजदूरी एवं औद्योगकि सांख्यकिी से संबंधति आँकड़ों को शामलि कयिा गया है।
    - इसके अतरिक्ति इस पुस्तक में वभिन्नि वभिागों यथा स्वास्थ्य, ऊर्जा, पथ, खान, पशुपालन, जल संसाधान, शक्षिा, ग्रामीण कार्य, यातायात, ग्रामीण वकिास, पर्यटन, पेयजल एवं स्वच्छता, समाजकि सुरक्षा, वन, सहकारति, पंचायती राज, वाणज्यि कर, खाद्य आपूर्ति,

रोज़गार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया गया है।

- निदेशालय के द्वारा प्रयास किया गया है कि इस पुस्तक में सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया जाए।
- इस पुस्तक में 28 चैप्टर हैं, जिसमें विभिन्न विभागों के आँकड़े प्रकाशित किये गए हैं। यह पुस्तक योजना बनाने वाले, शोधकर्त्ता, आर्थिक एवं वित्तीय नीति निर्धारकों, प्रशासकों एवं अर्थशास्त्रियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगी।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/launch-of-the-campaign-to-achieve-the-target-of-100-birth-and-death-registration-and-release-of-jharkhand-a-statistical-profile-2022